and for matters connected therewith be instructed to report by the 30th November, 1966."

The question wag J>nt and the motion was adopted.

LEAVE OF ABSENCE TO SHRI ABID ALI

MR. CHAIRMAN: I have to inform 'Members that the following letter has ibeen received from Shri Abid Ali:

"I am here these days participating is the Governing Body of the I.L.O. and its Committee. I shall be arriving in India on the 18th December. Consequently I will not be fortunate enough to participate ir the forthcoming Session to the Rajya Sabha and request to be excused for the same."

Is it the pleasure of the House that permission be granted to Shri Abid Ali for remaining absent from all meetings of the House during the current Session?

No hon. Member dissented.

MR. CHAIRMAN: Permission to xemain absent is granted.

REFERENCE TO DISTURBANCES IN DELHI

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (उत्तर प्रदेश): सभापतिजी, मैं आपकी इजाजत से एक बात आपके और सदन के ध्यान में लाना चाहता हूं। 10 नवम्बर को श्री जयसुख लाल हाथी ने 7 नवम्बर को संसद् भवन के सामने हुई घटनाओं के बारे में एक वक्तव्य दिया था और अपने वक्तव्य में श्री हाथी ने यह कहा था। मैं उनके शब्दों को उद्धृत कर रहा हूं :

"I first talk of the main procession. There the permission was sought by thi$_3$ gentleman, Shri Kedar Nath Sawney, General Secretary of the Bharatiya Jan Sangh. He had applied for the permission."

मुझे श्री केदार नाथ साहनी का एक पत्र मिला है जो उन्होंने श्री हाथी को लिखा है और उसकी एक कापी आपको भी भेजी गई है। श्री केदार नाथ साहनी का कहना यह है कि उन्होंने जलस की अनुमति नहीं मांगी और न जलस की अनुमति उनके नाम से दी गई।

श्री अर्जुन अरोड़ा (उत्तर प्रदेश): श्री साहनी आज कल कहां हैं?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मेरे पास श्री एन०एल० कक्कड़, ए० डी० एम० नं० 2 के द्वारा दी गई पर्मिशन की एक कापी भी है। जलस की पर्मिशन, जलूस की इजाजत, सेक्रेटरी, सर्वदलीय गोरक्षा महाभियान समिति, की ओर से मांगी गई थी और अनुमति उन्हीं को दी गई।

श्री आई० के० गुजराल (दिल्ली): वह कौन हैं?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सारी दुनिया जानती है, गृह मंत्रालय को जानना चाहिये और डा० गुजराल को भी जानना चाहिये ......

एक माननीय सदस्य : वह डाक्टर नहीं हैं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर डाक्टर नहीं हैं तो वह मरीज तो जरूर मालूम होते हैं। मेरे मित्र श्री गुजराल को जानना चाहिये कि सर्वदलीय गोरक्षा महाभियान समिति के मंत्री श्री केदारनाथ साहनी नहीं हैं, श्री प्रेम चन्द्र गुप्ता हैं। श्री प्रेम चन्द्र गुप्ता जन संघ के आदमी नहीं हैं, वे कट्टर सनातन धर्मी हैं और एक धार्मिक व्यक्ति हैं। उन्हीं के निमंत्रण पर प्रधान मंत्री, श्रीमती इन्दिरा गांधी, दशहरे के दिन गांधी मैदान में गई थीं।

[श्री अटल बिहारी वाजपेयी]

सभापति जी, मैं जानना चाहता हूं कि श्री हाथी ने यह गलती कैसे की। 7 नवम्बर को जो कुछ हुआ उसमें जितना हमारा हिस्सा है उससे हम बचना नहीं चाहते। मगर मंत्री महोदय को ऐसा गलत वक्तव्य नहीं देना चाहिये था। जलूस की इजाजत एक व्यक्ति मांगता है। जलूस की इजाजत भीड़ नहीं मांगती और जलूस की इजाजत एक व्यक्ति के नाम दी जाती है, भीड़ के नाम नहीं दी जाती है। मंत्री महोदय के यह कहने से काम नहीं चलेगा कि बहुत से लोग आये थे, उनमें ये भी थे, उनमें वे भी थे। क्या यह बात गलत है या सही है कि जलूस की पर्मिशन श्री प्रेम चन्द्र गुप्ता, सेक्रेटरी, अखिल भारत सर्वदलीय गोरक्षा महाभियान समिति, की ओर से मांगी गई थी ? क्या यह सही नहीं है कि जलूस की इजाजत सेक्रेटरी, सर्व-दलीय गोहत्या निरोध महाभियान समिति, को दी गई थी ? फिर श्री केदार नाथ साहनी का नाम क्यों लिया गया ? केवल उन्हें बदनाम करने के लिये या जन संघ को बदनाम करने के लिये ?

सभापति जी, मुझे भरोसा है कि दिल्ली के अधिकारियों ने श्री हाथी को गलत सूचना दी है। क्या इसी तरह से और भी सूचनायें सदन में दी जा रही हैं ? इसीलिये हम मांग कर रहे हैं कि जूडीशियल इनक्वायरी होनी चाहिये। श्री हाथी जी सदन में मौजूद हैं। वे गृह मंत्रालय छोड़ कर रक्षा मंत्रालय में चले गये हैं। मगर मैं चाहूंगा कि जो गलत वक्तव्य उन्होंने दिया है उसका वे खंडन करें और बतायें कि किस व्यक्ति ने इजाजत मांगी और किस व्यक्ति के नाम से इजाजत दी गई।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI JAISUKHLAL HATHI): I had received a letter from Shri Ke»Iar Nath Sawney yesterday only and I have passed on that letter for enquiry as to how the Delhi Administration had informed the Home Ministry that he was one of the organisers of this procession. I tried to inform Shri Vajpayee but he was not available and I informed another Member of Parliament what the Deputy Commissioner had said so far as I know but further information, of course;, the Government will give after enquiry. I do not want to attach any blame on anybody who was not there or who wa3 not the organiser but about the persons who met the Deputy Commissioner about all the arrangements for the procession and discussed as to who will lead the procession or how it will be held, etc. the Deputy Commissioner in his report> said that he was the person who had been to him for this purpose. Further emquiry I shall certainly make and the Government will make a statement.

REFERENCE TO PROPOSED STUDENT DEMONSTRATIONS IN DELHI

श्री राजनारायण (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, हम भी एक प्रिविलेज मोशन मूव करना चाहते हैं। यूं तो हमने कालिंग अटेंशन दिया है और उस कालिंग अटेंशन .....

श्री सभापति : हमने कालिंग अटेंशन ऐडमिट नहीं किया है, मगर मैंने आपको इजाजत दी है और आप पूछ लें।

श्री राजनारायण : हां जी, वही कह रहा हूं। 10 तारीख की सदन की कार्यवाही अगर आपके सामने हो तो आप देखिये। श्री राजनारायण यानी मैं कहना चाहता हूं :

> "कल की छुट्टी बन्द करें। मंडे को 14 तारीख हो जायगी, 14 तारीख को डिस्कशन करेंगे, फिर उसका नतीजा निकलेगा और 15 तारीख को जा कर कहीं खबर जायेगी ....."